Adda247 GET IT ON Google Play

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

 (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

 (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

D – 6708

PAPER – III

ARCHAEOLOGY

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

 No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

 इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

70,000+ Mock Tests

Personalised Report Card

Unlimited Re-Attempt

600+ Exam Covered

Previous Year Papers

500% Refund

IBPS

NABARD

INDIAN RAILWAYS

ATTEMPT FREE MOCK NOW

Adda247 GET IT ON Google Play

ARCHAEOLOGY

पुरातत्व विज्ञान

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE : This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

Adda247 GET IT ON Google Play

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

The problem concerning the origin of the grey ware is much too complex. In northern Iran, towards the middle of the third millennium B.C., the existing pottery traditions at Tépé Hissar,[56] Tépé Giyan,[57] and Shah Tépé,[58] are found to be interrupted by the appearance of plain, burnished grey or black ware. At Turang Tépé,[59] where no earlier occupation of painted pottery was reached, the habitation started with the grey ware occupation. At Sialk[60] similar ware has been attested in Cemeteries A and B (respectively Periods V and VI), assignable to *circa* 1400-1000 B.C. In the neighbouring region of Turkmenia, similar evidence of the grey ware intruding upon and finally supplanting the painted pottery tradition is available at Anau. This unpainted grey ware, marked by different traditions of kiln and firing, seemed to be more than a change in ceramic fashion and could only mean the arrival of new comers in this region with decisive outer influences. As regards the associated objects of this striking ceramic, attention may be drawn notably to the occurrence of a new type of tools and weapons of copper or bronze; (i) gypsum seal with the omnipresent filled cross; (ii) double spiral-headed pin; (iii) pins with animal or mace heads; (iv) copper stamp seals with terraced square design; (v) axe-adze with tubular shaft-hole; and (vi) a distinctive type triple-jar with tubular connections joining all the three. The use of iron was not attested in this assemblage. Some of these types would permit an excursion from Iran through Baluchistan to Mohenjodaro. This widespread distribution is not without significance. Equally noteworthy, however, is the evidence regarding the existence of the domesticated horse ***(Equus caballus)*** at Shah Tépé, both in Periods II and III.[62]

धूसर मृद् पात्रों की उत्पत्ति की समस्या जटिल है। मध्य तृतीय सहस्राब्दी ई.पू. में इरान के तेपे हिस्सार, तेपे गियान और शाह तेपे में प्रचलित मृद् पात्र परम्परा में एकाएक सादे, चमकीले धूसर मृद् पात्र

Adda247 GET IT ON Google Play

या कृष्ण पात्र परम्परा का अस्तित्व व्यवधान के रूप में मिलता है। तुरांग तेपे जहाँ कोई भी चित्रित मृद् पात्र के प्रारंभिक जमाव नहीं हैं, आवासीय जमाव धूसर मृद् पात्र से प्रारंभ होते हैं। सिआल्क के अ व ब शवाधानों (क्रमश: V व VI कालों) से भी यह पात्र प्रमाणित हैं, जो लगभग 1400-1000 ई.पू. के हैं। पड़ोस के तुर्कमानिया क्षेत्र में अनउ से भी ऐसे प्रमाण उपलब्ध हैं, जहाँ चित्रित मृद् पात्र परम्पराओं को विस्थापित कर धूसर मृद् पात्र परम्परा का आगमन हुआ। यह धूसर पात्र जो अलग आँवां व पकाने की अलग परम्परा थी, वह केवल मृद् पात्र परम्परा में बदलाव से ही संबन्धित नहीं थी, परन्तु यह निश्चित रूप से बाह्य प्रभाव व नवागंतुकों का संकेत हैं। इन विशेष मृदा पात्रों के साथ संबन्ध नूतन ताम्र व कांस उपकरणों व अस्त्रों का अस्तित्व उल्लेखनीय है – (i) पूर्ण क्रास से भरी जिप्सम मुद्रा (ii) छल्ले के जोड़ो से मढ़ी शीर्ष सूई (iii) पशु अथवा वलय मढ़ी सूइयाँ (iv) चौकोर आलेखित सोपन युक्त ढ़प्पांकित ताम्र मुहरें (v) वर्गायत चूल युक्त कुल्हाड़ी – बसुली (vi) वर्गायत आधार से जुड़े तीन घटों का उल्लेखनीय प्रकार। इस संग्रह में लोहे का उपयोग नहीं हुआ है। इन में से कुछ विशिष्ट प्रकार अनुमोदित करते हैं कि ईरान से बलुचिस्तान होते हुए मोहनजोदाड़ो तक सांस्कृतिक आगमन हुआ। पालतु घोड़े (इक्वस कैबालुस) के जो प्रमाण शाह तेपे के II व III कालों से उपलब्ध हैं, वे भी इस दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

1. What is the evidence for grey wares in Iran ? Discuss.

ईरान में धूसर मृद् भाण्ड के प्रमाण क्या हैं? विवेचन कीजिए।

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

2. What is the significance of grey ware and domestication of horse at Shah Tepe (Iran) for the history of Aryans in India ?

शाह-तेपे (ईरान) के धूसर मृद् पात्र व पालतू अश्व अवशेषों का भारत के आर्यों के इतिहास के लिए क्या महत्व है?

3. Discuss the Major technological difference between Red ware and Grey ware :

लाल व धूसर पात्रों के निर्माण में प्रमुख तकनिकी भेदों का विवेचन कीजिए।

Adda247 GET IT ON Google Play

4. What was the route of migration of pre-iron using Aryans from Iran to the north-west India :

ईरान से उत्तर-पश्चिमी भारत में आए प्राक्-लौह प्रयोग करने वाले आर्यों के आगमन का मार्ग क्या था ?

5. Which was the iron using culture associated with Aryans ? Discuss with reasons.

कौन सी लौह प्रयोग वाली संस्कृति को आर्यों से संबन्धित किया जाता है ? कारणों सहित विवेचन कीजिए

Adda247

GET IT ON Google Play

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains **fifteen (15)** questions each to be answered in about **thirty (30)** words. Each question carries **five (5)** marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है।

(5x15=75 अंक)

6. "Geology is the back bone of archaeological stratigraphy". Discuss.

''भूगर्भशास्त्र पुरातत्त्व के स्तरीकरण की रीढ़ है।'' विवेचन कीजिए।

Adda247
GET IT ON Google Play

7. Explain three dimensional recording.

त्रीयामी माप को समझाइए।

8. What is typology ? Discuss its significance.

प्रारूप विज्ञान क्या है? उसके महत्व का विवेचन कीजिए।

Adda247 GET IT ON Google Play

9. On which archaeological culture, models based on Jhum cultivation can be applied ?

झूम कृषि के मॉडल किस पुरातात्विक संस्कृति पर बैठते हैं ?

10. What is the significance of nomadicus group of fauna ?

नमैडिकस पशु वर्ग का क्या महत्व है ?

Adda247

11. Discuss significance of Hathi-well section on Pravara river.

प्रवरा नदी के हाथी–कुँआ सेक्शन के महत्व का विवेचन कीजिए।

12. Discuss significance of Great Bath at Mohanjo-Daro.

मोहनजोदाड़ो के महास्नान के महत्व का विवेचन कीजिए।

Adda247 GET IT ON Google Play

13. What light is thrown on the early agriculture by the remains of plough field at Kalibangan ?

कालीबंगा के जोते खेत के अवशेषों से प्रारंभिक कृषि पर क्या प्रकाश पड़ता है?

14. Enumerate diagnostic culture of Kaytha culture.

कायथा संस्कृति के विशिष्ट सांस्कृतिक लक्षणों का निरूपण कीजिए।

Adda247
GET IT ON Google Play

15. Which was the resoure region for copper during Harappan times ? Discuss.

हड़प्पा काल में ताम्र का स्रोत क्षेत्र कौन सा था ? विवेचना कीजिए।

16. What is Dravida Style of architecture ?

वास्तुकला की द्रविड़ शैली क्या है ?

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

17. Write about Karle chaitya.

कार्ले चैत्य के बारे में लिखिए।

18. Give a brief account on Amaravati Stupa.

अमरावती स्तूप का संक्षिप्त विवरण लिखिए।

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

19. Discuss the importance of Asokan ROCK Edict-X.

अशोक के X-शिलालेख के महत्व का विवेचन कीजिए।

20. Bring out the importance of coins of Kanishka.

कनिष्क के सिक्कों के महत्व को दर्शाइए।

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचो प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

21. Discuss with suitable examples, the role of faunal remains in the reconstruction of palaeo-environment.

उदाहरण सहित पशु अवशेषों का पुरा-पर्यावरण की संरचना में महत्व का विवेचन कीजिए।

22. Evaluate the geo-chronology and culture sequence of Son valley.

सोन के भूगर्भ-कालक्रम व सांस्कृतिक क्रम की समालोचना कीजिए।

23. Assess evidence for habitation tendencies of Acheulian man in India.

भारत में ऐशूलियन मानव के आवासीय प्रवृत्ति के प्रमाण का मूल्यांकन कीजिए।

24. Discuss the modes of disposing of the dead during Mesolithic period in India.

भारत के मध्य-प्रस्तर काल में शव विसर्जन प्रथाओं का विवेचन कीजिए।

25. *"Pastoralism was the main subsistence of Neolithic communities of the Deccan"*. Discuss citing examples from archaeological sites.

''दखन के नव-प्रस्तर जन समूहों के जीवन यापन का मूल आधार पशुपालन था।'' पुरातात्विक स्थलों के उदाहरण द्वारा विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Adda247 GET IT ON Google Play

Elective - II

विकल्प – II

21. Discuss the genesis of the Harappan culture.

हड़प्पा संस्कृति की उत्पत्ति का विवेचन कीजिए।

22. Critically evaluate evidence for long distance trade in Harappan cities.

हड़प्पीय नगरों से प्राप्त सुदूर क्षेत्रों से व्यापार के प्रमाणों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

23. Discuss main features of chalcolithic remains of middle Ganga plain.

मध्य गांगेय क्षेत्र के ताम्राश्मक अवशेषों की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

24. Discuss main village cultures of chalcolithic period of central India.

मध्य भारत के मुख्य ताम्राश्मक ग्रामीण संस्कृतियों का विवेचन कीजिए

25. Write a critical note on the concept of *"citadel"* of the Harappan times.

हड़प्पा कालीन ''दुर्ग'' की अवधारणा पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Adda247

Elective - III

विकल्प – III

21. Discuss antiquity of Iron in India.

भारत में लोहे की प्रचीनता का विवेचन कीजिए।

22. Evaluate historical significance of Northern Black polished ware culture.

उत्तर कृष्ण मार्जित मृद् भाण्ड के ऐतिहासिक महत्व का परीक्षण कीजिए।

23. What light has been shed by the excavations at Vaishali ? Discuss.

वैशाली के उत्खनन से क्या प्रकाश में आया है? विवेचना कीजिए।

Adda247 GET IT ON Google Play

24. Some new settlements were established during Gupta period. Discuss in the light of any one of the excavated site of Gupta period.

गुप्त काल में कुछ नवीन सन्निवेशों की स्थापना हुई। गुप्त काल के किसी उत्खनित स्थल के प्रकाश में विवेचन कीजिए।

25. Discuss archaeological evidence for the growth of trade centres during Kushana times.

कुशाण काल के व्यापारिक केन्द्रों के विकास का विवेचन पुरातात्विक प्रमाणों के आधार पर करिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

21. What are components of a Buddhist Stupa ? Discuss.

बौद्ध स्तूप के वास्तु अंग क्या हैं? विवेचन कीजिए।

22. Enumerate the main stages of development of Chaitya with suitable examples.

उचित उदाहरणों द्वारा चैत्यों के विकास के मुख्य चरणों का वर्णन कीजिए।

23. Describe the characteristic features of Vesara style of architecture.

वेसर वास्तु शैली के प्रमुख लक्षणों का विवेचन कीजिए।

24. Give an account of Gupta sculptures.

गुप्त मूर्तियों का विवरण दीजिए।

25. Discuss the technique of Ajanta Paintings.

अजन्ता चित्रकला की तकनीक का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Adda247 GET IT ON Google Play

Elective - V

विकल्प – V

21. Write a note on the origin of Kharosti script.

खरोष्ठी लिपि की उत्पत्ति पर एक टिप्पणी लिखिए।

22. Enumerate the historical contents of the Rock Edict XIII of Asoka.

अशोक के XIII शिलालेख के ऐतिहासिक विषय का निरूपण कीजिए।

23. Discuss the importance of Besnagar Garuda pillar Inscription.

बेसनगर के गरुड़ स्तंभ अभिलेख का विवेचन कीजिए।

24. Write a note about the metals and techniques used for ancient coins.

प्राचीन मुद्राओं में प्रयुक्त धातु व तकनीक पर एक टिप्पणी लिखिए।

25. Give a briefly account on the Roman gold coins.

रोम के स्वर्ण मुद्राओं का एक संक्षिप्त विवरण दीजिए।

Adda247

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. (a) Critically evaluate the factors responsible for the decline of the cities of the Harappan culture.

हड़प्पा संस्कृति के विघटन के प्रमुख कारकों पर आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

OR / अथवा

(b) Discuss main features of Neolithic and Neolithic-chalcolitilic deposits of the middle Ganga plains.

मध्य गांगेय क्षेत्र की नव-प्रस्तर व नव-प्रस्तर-ताम्राश्म जमावों के प्रमुख लक्षणों का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

(c) Write a critical note on the origin of coinage in India.

भारत में मुद्रा प्रचलन की उत्पत्ति पर एक आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

(d) Discuss historical significance of the contents of Junagarh, inscription of Rudradaman.

रुद्रदामन के जूनागढ़ अभिलेख की विषयवस्तु के ऐतिहासिक महत्व का विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

(e) "Temples built during Chola period mark the culmination of Dravida style". Discuss with suitable examples.

''चोल काल के मन्दिर द्रविड़ शैली के उत्कर्ष को दर्शाते हैं।'' उदाहरणों सहित विवेचन कीजिए।

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247

GET IT ON Google Play

Adda247 GET IT ON Google Play

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....